Literacy for a Billion

Movie: Saagar
Year: 1985

Song: Ho yuhin gaate raho
Lyricist: Javed Akhtar

ओ...
यूँ ही गाते रहो
हो मुस्कुराते रहो
नाचो रे सब झुमके
गाओ रे हो गाओ रे
आ ओ रे...
हो हो...
ओ...
यूँ ही गाते रहो
हो मुस्कुराते रहो
नाचो रे सब झुमके
गाओ रे हो गाओ रे
आ ओ रे...
हे हे... हे...
हे... जब तलक रात रहे जाम रहे
दिल को दीवानगी से काम रहे
हो...
यार तुझको मेरी यारी की कसम
हमसे अब दोस्ती का नाम रहे
हो...
चल अब झुमके मस्ती में
ये गाओ रे...
आ ओ रे...
हो... यूँ ही गाते रहो
हो मुस्कुराते रहो
नाचो रे सब झुमके
गाओ रे हो गाओ रे
आ ओ रे...
हे हे... ये...

हूँ... प्यार मिल जाए
तो है दुनिया हँसी
हाँ... प्यार के जैसा नशा
कोई नहीं
प्यार ले जाए जहाँ जाऊँ वहीं
हो... प्यार तुझको मिलेगा
यार यहीं
चलो अब घुमके
गलियों में ये गाओ रे
हाँ
आ ओ रे...
हो... यूँ ही गाते रहो
हो मुस्कुराते रहो
नाचो रे सब झुमके
गाओ रे हो गाओ रे
आ ओ रे... हे हे...
हो...हे...है...हा...
आहा...हे...हो...आहा...
हे...हो...ला ला...
ये हे...हो...ला ला...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.